ROSE BLANCHE

रोज ब्लांचे

रोबेर्तो इन्नोसेंटी, हिंदी : विदूषक

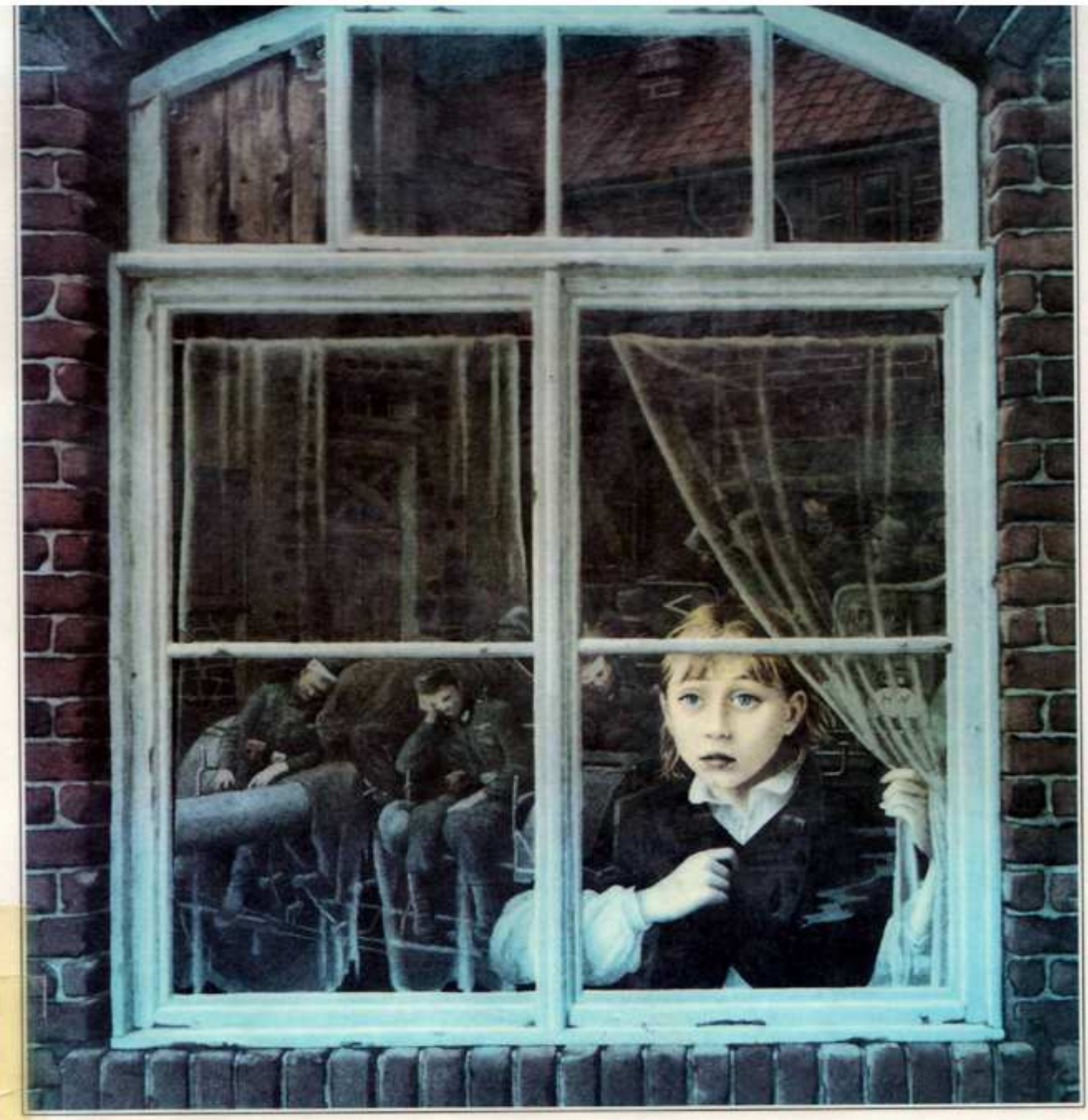

ROBERTO INNOCENTI

ROSE BLANCHE

GERMANY, WORLD WAR II. Rose Blanche accepts the fact of wartime as any small child would—without understanding. One day, however, she sees a little boy escape from a guarded truck only to be recaptured. Curious, Rose Blanche follows the truck out of town to a forest clearing where she discovers a concentration camp with hungry, cold children huddled behind barbed wire. Rose Blanche begins making secret journeys to the children with whatever food she can find until, one day, the townspeople begin to flee their homes and in the clearing Rose Blanche finds the barbed wire torn, the camp destroyed, and the children gone. In the forest, soldiers are firing at shadows that seem to shelter the enemy everywhere and Rose Blanche never returns home. As winter turns to spring, the story ends with a bright field of wildflowers grown up and around the remnants of the barbed-wire fence.

This moving story of childhood and war is told with remarkable depth, detail, and pathos in Roberto Innocenti's spare text and rich artwork. Every inch of illustration tells not only Rose Blanche's story, but a timeless story of innocence, selflessness, and compassion in the midst of ignorance, corruption, and war.

रोज ब्लांचे

जर्मनी, दूसरा महायुद्ध. रोज ब्लांचे ने युद्ध की असलियत को बिना सोचे समझे, उसे वैसे ही स्वीकार किया जैसे कोई और छोटा बच्चा करता. एक दिन रोज को एक मिलिट्री ट्रक से एक लड़का भागता हुआ दिखा. पर उस लड़के को तुरंत दुबारा पकड़ लिया गया. उत्सुकतावश, रोज ने उस ट्रक का पीछा किया. ट्रक शहर के बाहर जंगल काट कर बनाये कैंप में जाकर रुका. वो कैंप दरअसल एक बच्चों का कारावास (जेल) था, जिसमें तमाम भूखे-प्यासे बच्चे, कंटीले तारों के पीछे सर्दी में ठिठुर और कांप रहे थे. फिर रोज ब्लांचे रोजाना छिपकर उस कैंप में जाती और वो जो कुछ इकट्ठा कर पाती वो खाना बच्चों को खिलाती. फिर एक दिन सभी लोग, शहर छोड़ कर पलायन करने लगे. जब रोज, वापिस गयी तो उसने कैंप को पूरी तरह नष्ट पाया और कंटीले तारों को कटा पाया. जंगल में सैनिक अंधाधुन्द गोलियां चला रहे थे, क्यूंकि वहां कई स्थानों पर दुश्मन छिपे थे. उसके बाद रोज ब्लांचे अपने घर कभी वापिस नहीं लौटी. सर्दी के बाद जब वसंत आयी तब टूटे कंटीले तारों की बाड़ के आसपास तमाम रंग-बिरंगे जंगली फूल खिले उठे. एक संवेदनशील लड़की के बचपन की कहानी को यहाँ रोबेर्तो इन्नोसेंटी ने बड़े ही मार्मिक और दिल को छूने वाले तरीके से लिखा है. कहानी में शब्द बहुत कम हैं, पर उसके सजीव चित्र सब कुछ बयां करते हैं. पुस्तक का हरेक चित्र युद्ध, अज्ञानता, भ्रष्टाचार और हिंसा के बीच एक दरियादिल, मासूम और इंसानियत से भरी – छोटी बच्ची - रोज ब्लांचे की कहानी बयां करती है.

My name is Rose Blanche. I live in a small town in Germany with narrow streets, old fountains and tall houses with pigeons on the roofs. On day the first truck arrived and many men left. They were dressed as soldiers. Winter was beginning.

मेरा नाम रोज ब्लांचे है. मैं जर्मनी के एक छोटे शहर में रहती हूँ जहाँ सकरी गलियां हैं और पुराने फव्वारे हैं. वहां ऊंचे-ऊंचे मकानों की छतों पर कबूतर बैठे रहते हैं. एक दिन शहर में एक ट्रक आता है और उसमें बहुत से लोग चले जाते हैं. वे सैनिकों की वर्दी पहने थे. सर्दी शुरू होने वाली थी.

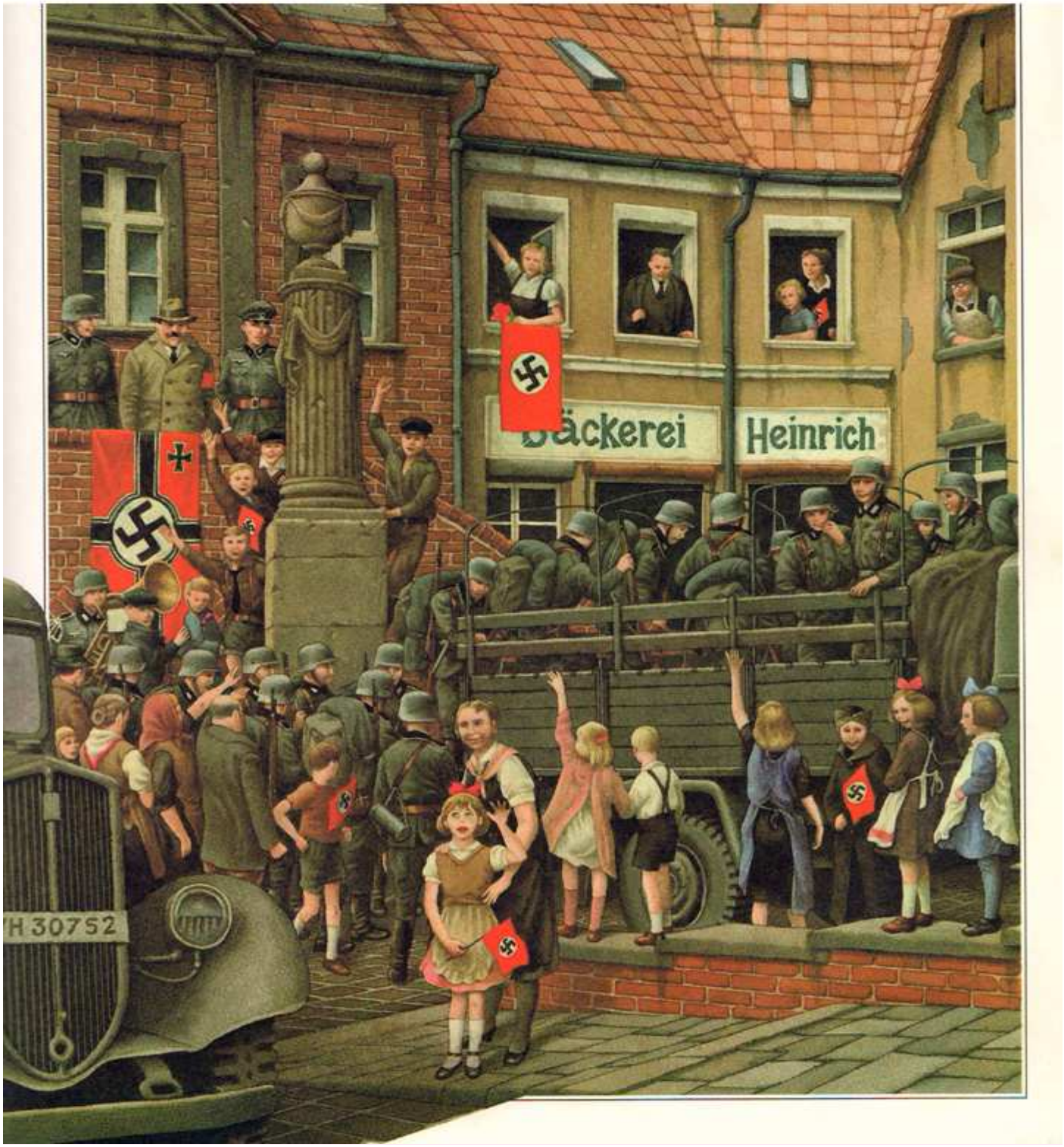

Now the trucks follow each other under the school windows. They are full of soldiers we don't know, but they wink at us.

अब स्कूल की खिड़कियों के नीचे ट्रकों की लाइन खड़ी है. ट्रक सैनिकों से भरे हैं, जिन्हें हम नहीं जानते हैं. हमें देख कर वो आँख मारते हैं.

They drive tanks that make sparks on the cobblestones. They are so noisy and smell like diesel oil. They hurt my ears and I have to hold my nose when the pass by.

जब सैनिक सड़कों पर अपने टैंक चलाते हैं तो सड़क पर बिछे पत्थरों की रगड़ से चिंगारियां निकलती हैं. चलते हुए टैंक बहुत शोर करते हैं और उनसे डीजल की बदबू भी आती है. टैंक के शोर से मेरे कान दुखते हैं, और बदबू से मुझे मुझे अपनी नाक बंद करनी पड़ती है.

Sometimes it seems things haven't really changed. But my mother wants me to be careful crossing the street between all the trucks. She says soldiers won't slow down.

कभी-कभी ऐसा लगता है कि हालात बिलकुल बदले नहीं हैं. माँ मुझे बार-बार हिदायत देती हैं कि ट्रक गुजरते समय मुझे सड़क पार करते समय अत्यंत सावधानी बरतनी चाहिए. उनके अनुसार सैनिक अपने ट्रक की स्पीड कभी कम नहीं करते हैं.

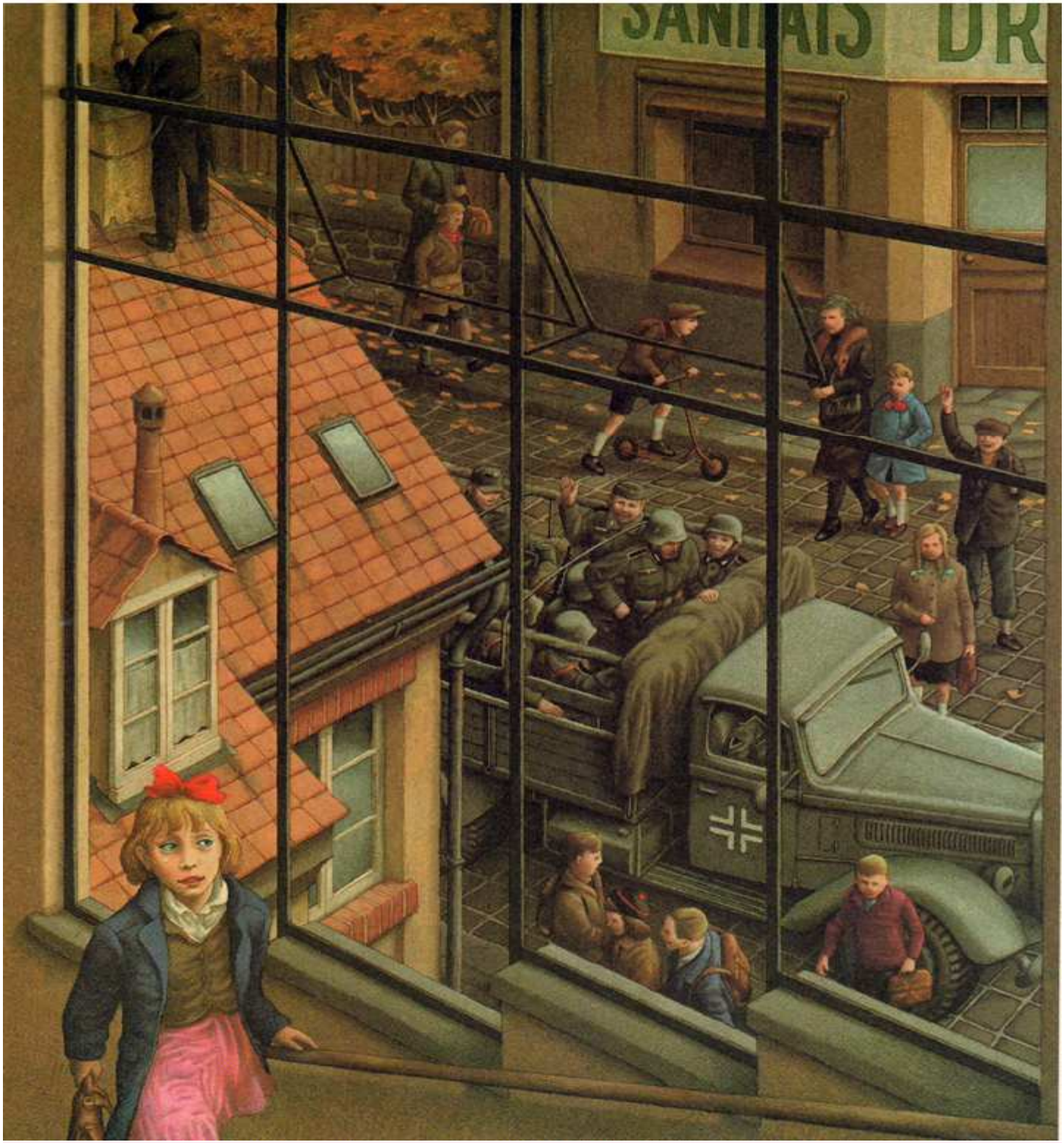

Lots of time I walk by the river, just looking at it. Branches float along and sometimes old, broken toys. I like the color of the river. It looks like the sky.

मैं कई बार नदी के किनारे घूमने जाती हूँ. मुझे नदी को निहारना बहुत अच्छा लगता है. पानी में मुझे अक्सर पेड़ों की शाखें तैरती हुई दिखती हैं, और कभी-कभी पुराने खिलोने भी. मुझे नदी का रंग बेहद पसंद है – जो आसमान जैसा ही नीला है.

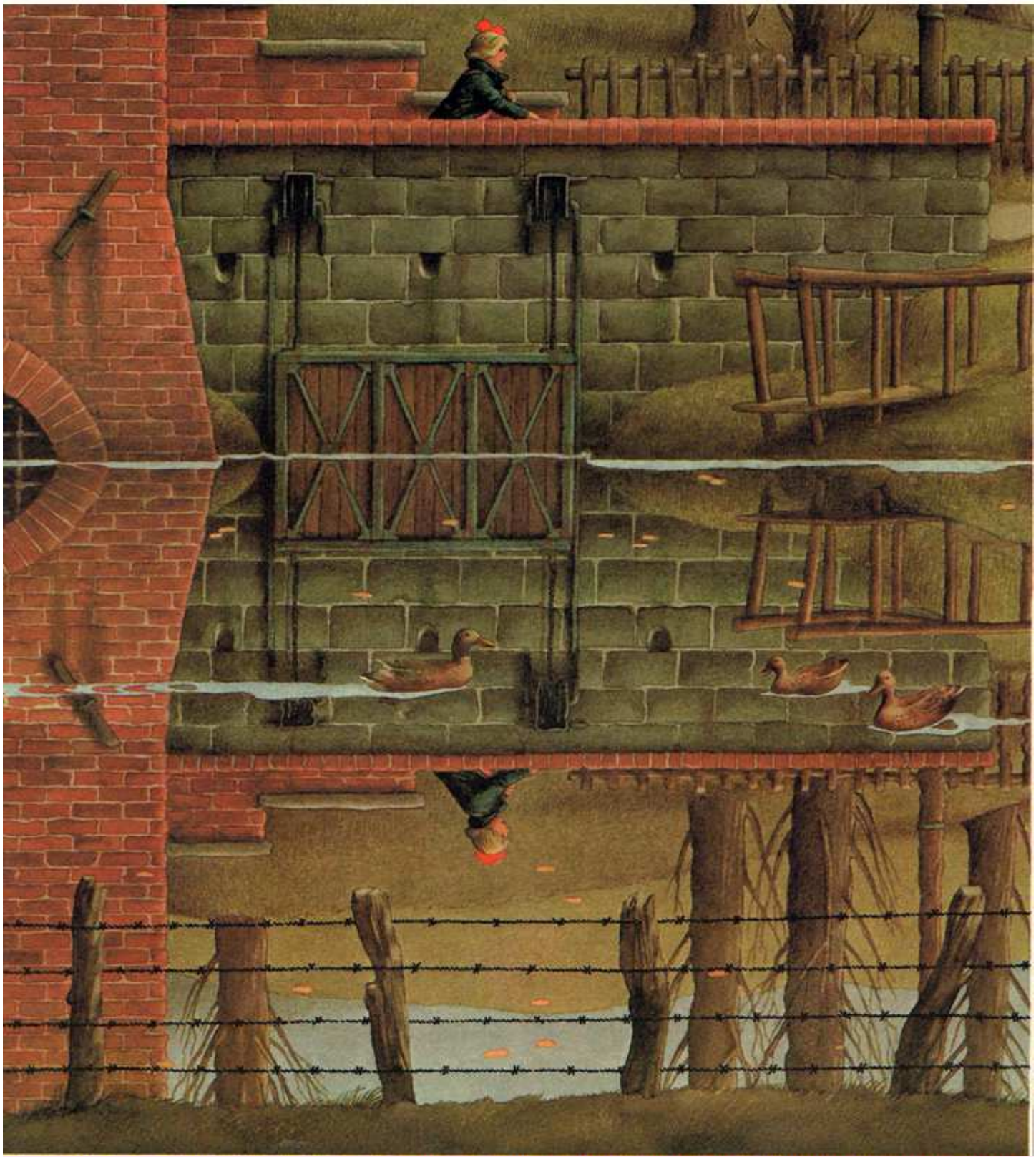

The trucks are fun to watch. We stand in the doorway as they pass. We don't know where they're going. But we think they're going someplace on the other side of the river.

ट्रक्स जब गुज़रते हैं तो उन्हें देखने में बड़ा मज़ा आता है. तब हम दरवाज़े के पास खड़े हो जाते हैं. ट्रक कहाँ जायेंगे? यह हमें पता नहीं. पर इतना ज़रूर मालूम है कि वो नदी के उस पार कहीं जाते हैं.

One day one of them stopped so the soldiers could repair the engine. A little boy jumped from the back of the truck and tried to run away. But the mayor was standing there in the middle of the street.

एक दिन एक ट्रक अचानक से रुका. उसमें कुछ खराबी आ गयी थी और सैनिक उसकी मरम्मत कर रहे थे. तभी एक छोटे लड़के ने उस ट्रक से कूदकर भागने की कोशिश की. पर वहीँ बीच सड़क पर शहर का मेयर खड़ा था.

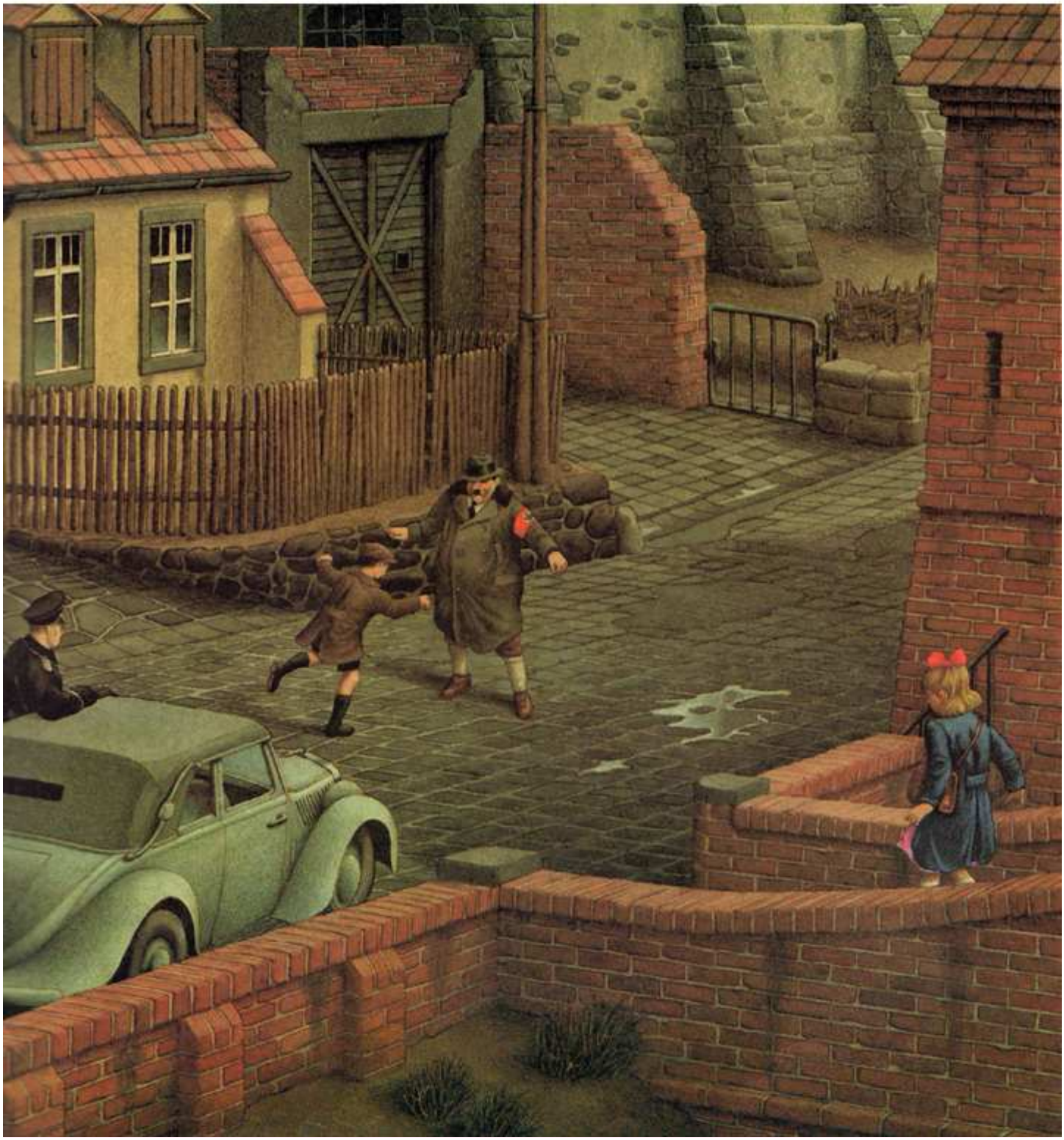

He grabbed the little boy by the collar and brought him back to the truck. Then he smiled at the soldiers without speaking. And they thanked him. The sky was gray.

मेयर ने लड़के का कालर पकड़ा और फिर वो उसे घसीटा हुआ ट्रक में वापिस लाया. फिर वो बिना कुछ बोले सैनिकों की ओर मुस्कुराया. फौजियों ने मेयर का धन्यवाद अदा किया. उस समय आसमान का रंग बिलकुल स्याह था.

The soldiers climbed back into the truck; doors banged shut and it pulled away.

It happened very fast.

कुछ देर में सैनिक ट्रक में वापिस घुसे. उन्होंने ट्रक के दरवाज़े को कस के बंद किया और फिर वहां से चले गए. यह सब कुछ बहुत जल्दी हुआ.

I wanted to know where the little boy went. So I watched the truck until it disappeared around the corner. The street was crowded. Kids were playing. There were bicycles and farmer's trucks all over. It was noisy just like every day when school is out. But I walked on the sidewalk ignoring everyone – and no one saw me.

वो छोटा लड़का आखिर कहाँ गया? मैं यह जानने को इच्छुक थी. इसलिए जब तक ट्रक आँख से ओंझल नहीं हुआ मैं उसे टकटकी लगाये देखती रही. सड़क लोगों से खचाखच भरी थी. बच्चे खेल रहे थे. हर ओर साइकिलें और किसानों के ट्रेक्टर थे. सड़क पर लोगों का शोर था. स्कूल ख़त्म होने के बाद ऐसा अक्सर होता है. फिर मैं लोगों को अनदेखा किए फुटपाथ पर आगे चली – किसी ने मुझ पर गौर नहीं किया.

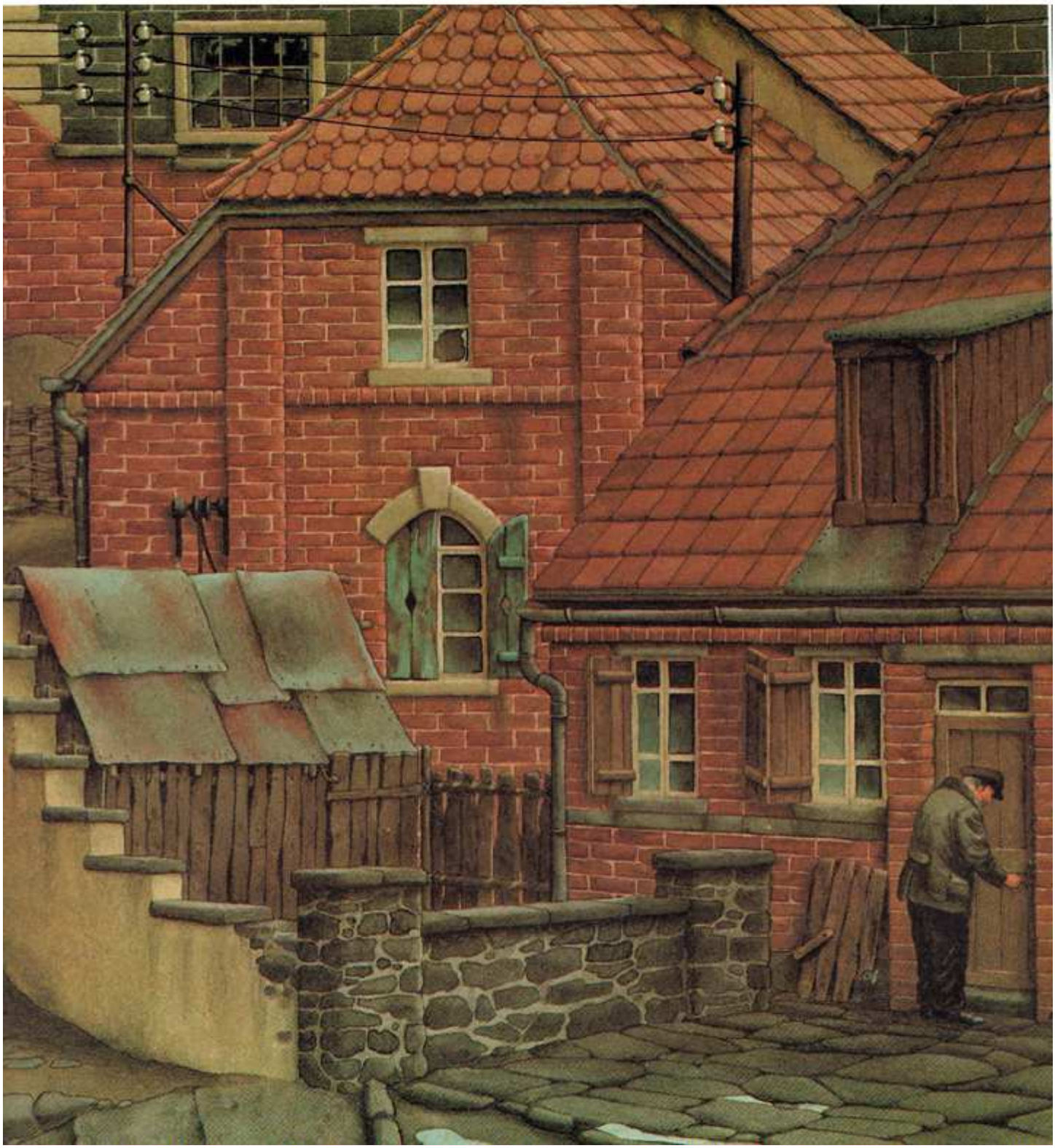

I walked for a long time, past the edge of town into the open fields, where I have never been.

The clouds were gray. Everything was frozen. Sometimes I ran.

मैं चलती गई, चलती गई, और अंत में शहर के बाहर खुले खेतों में पहुंची. वहां मैं पहले कभी नहीं गई थी. आसमान सिलेटी था. हर चीज़ ठण्ड से जमी थी. कई बार मैं दौड़ी भी.

I followed the tracks into the forest and found a clearing.

मैं ट्रक के पहियों के निशानों को देख कर आगे बढ़ती रही. आगे जाकर मुझे एक खुला मैदान दिखा.

Suddenly, electric barbed wire stopped me. Behind it there were some children standing still. I didn't know any of them. The youngest said they were hungry. Since I had a piece of bread, I carefully handed it to them through the pointed wires.

अचानक कंटीले तारों से बनी बिजली की बाड़ देखकर मैं रुकी. बाड़ के पीछे कुछ बच्चे खड़े थे. मैं उनमें किसी को नहीं जानती थी. कुछ छोटे बच्चों ने कहा कि उन्हें भूख लगी थी. क्यूंकि मेरे पास एक डबलरोटी का टुकड़ा था, इसलिए तारों के बीच बड़ी सावधानी से मैनें उन्हें वो पकड़ाया.

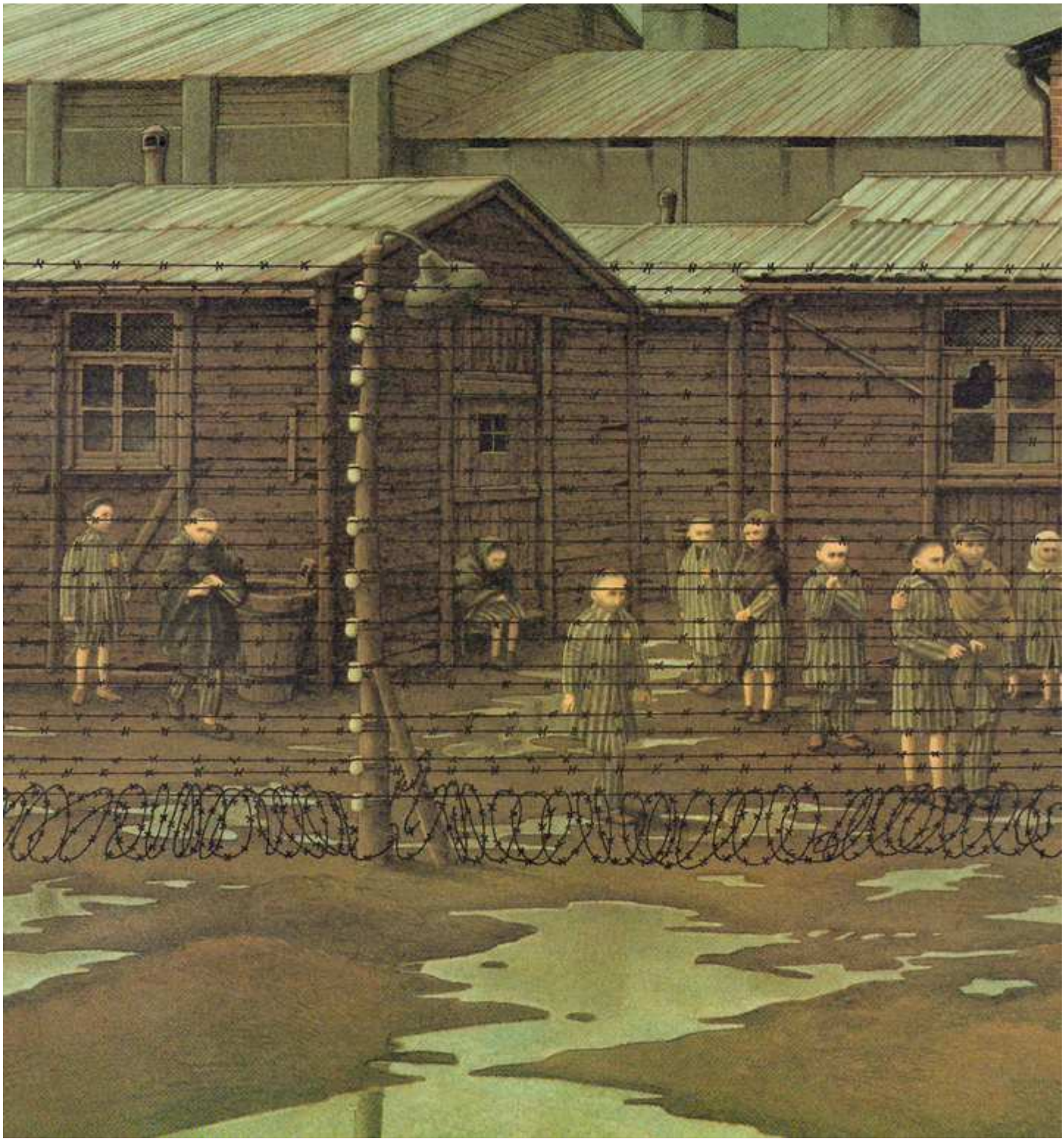

They all stood in front of long wooden houses. The sun was setting behind the hills. It was windy. I was cold.

सभी बच्चे एक लम्बे लकड़ी के घर के सामने खड़े थे. उस समय सूरज पहाड़ी के नीचे डूब रहा था. हवा बहुत तेज़ थी और मुझे ठण्ड लग रही थी.

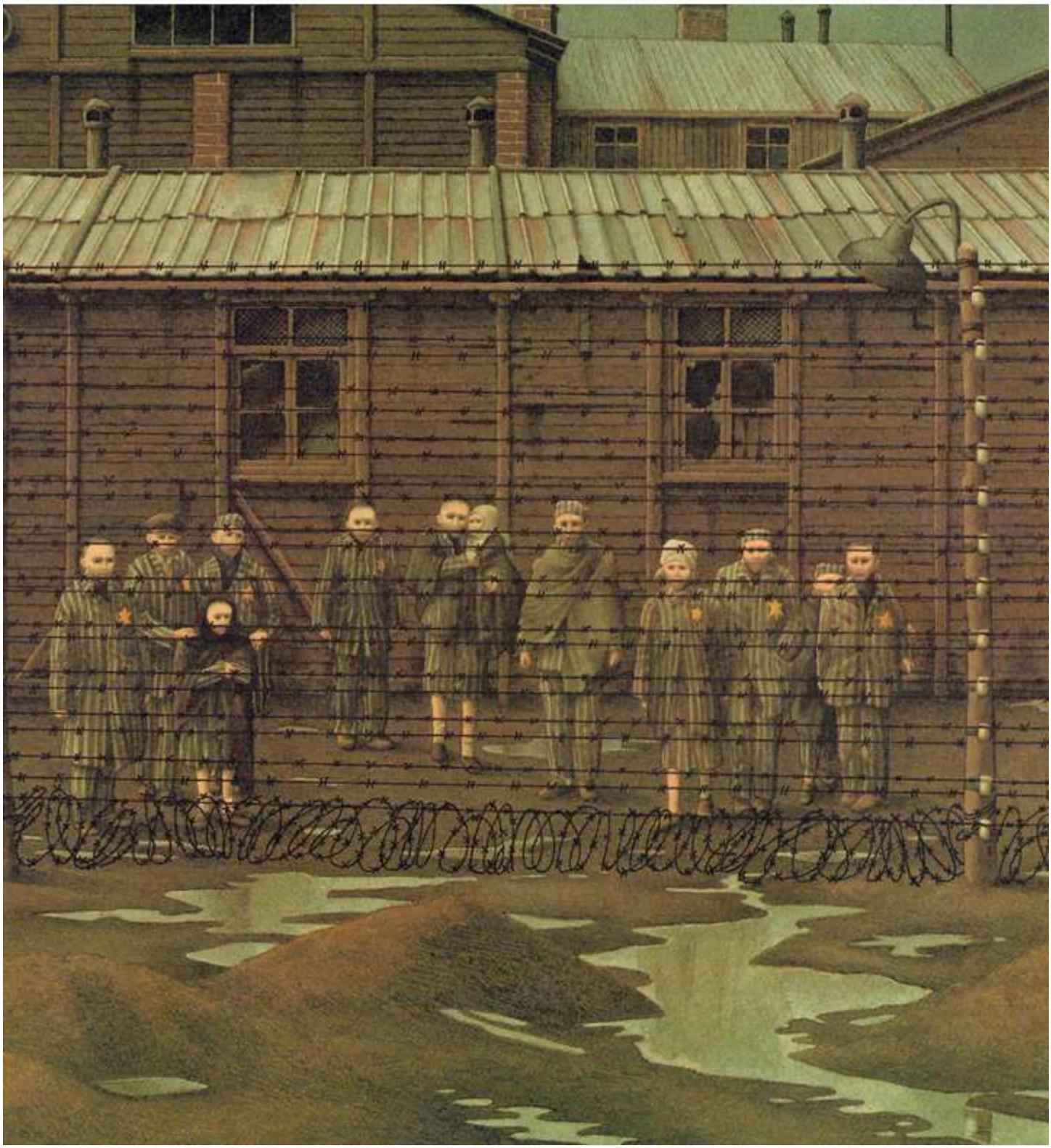

Weeks passed by in the pale winter. Rose Blanche's appetite surprised her mother: she took more to school than she ate at home. All the bread and butter she could carry; even more jam and apples from the cellar.

उसके बाद सर्दियों के कई हफ्ते और बीते. रोज ब्लांचे की माँ को अपनी बेटी की ज़बरदस्त भूख पर आश्चर्य हुआ. वो घर में कम खाना खाती, पर स्कूल ज्यादा खाना लेकर जाती. वो ढेर सारी डबलरोटी और मक्खन लेकर जाती. साथ में वो भंडारघर से झोला भर कर सेब और जैम भी लेकर जाती.

Rose Blanche was getting thinner. In town, only the mayor was staying fat. Everyone watched everyone else. Rose Blanche hid her food in her school bag and sneaked out of school early.

दिन-ब-दिन रोज ब्लांचे पतली होती जाती. शहर में सिर्फ मेयर का मोटापा ही बरक़रार रहा. हर कोई, दूसरे पर नज़र रखता. रोज ब्लांचे सारा खाना अपने स्कूल के बस्ते में छिपाकर रखती. वो छुट्टी होने से पहले ही स्कूल से चल देती.

By now she knew the road by heart. There were more children by the wooden houses, and they were also getting thinner behind the barbed wire fence. Some of them had a star pinned on their shirts. It was bright yellow.

अब तक उसे रास्ता अच्छी तरह याद हो गया था. अब उस लकड़ी के लम्बे घर के सामने और ज्यादा बच्चे थे. बच्चे कंटीले तारों के पीछे भूख से दिन-ब-दिन पतले हो रहे थे. कुछ बच्चों के कपड़ों पर एक सितारा चिपका था. सितारा चमकीले पीले रंग का था.

When the snow melted and the streets were very muddy, the trucks full of weary soldiers drove only at night. This time in the other direction. They were coming with no lights on from the far side of the river, and they never stopped.

स्नो पिघलने के बाद सभी सड़कें कीचड़ से भर गईं थीं. तब रात के समय ही ट्रक आते और वो थके-मांदे सैनिकों से भरे होते. अब ट्रक बिलकुल उल्टी दिशा और नदी के उस पार से आते और उनकी हेडलाइट्स रात में भी बंद रहतीं. ट्रक बिना रुके निकल जाते.

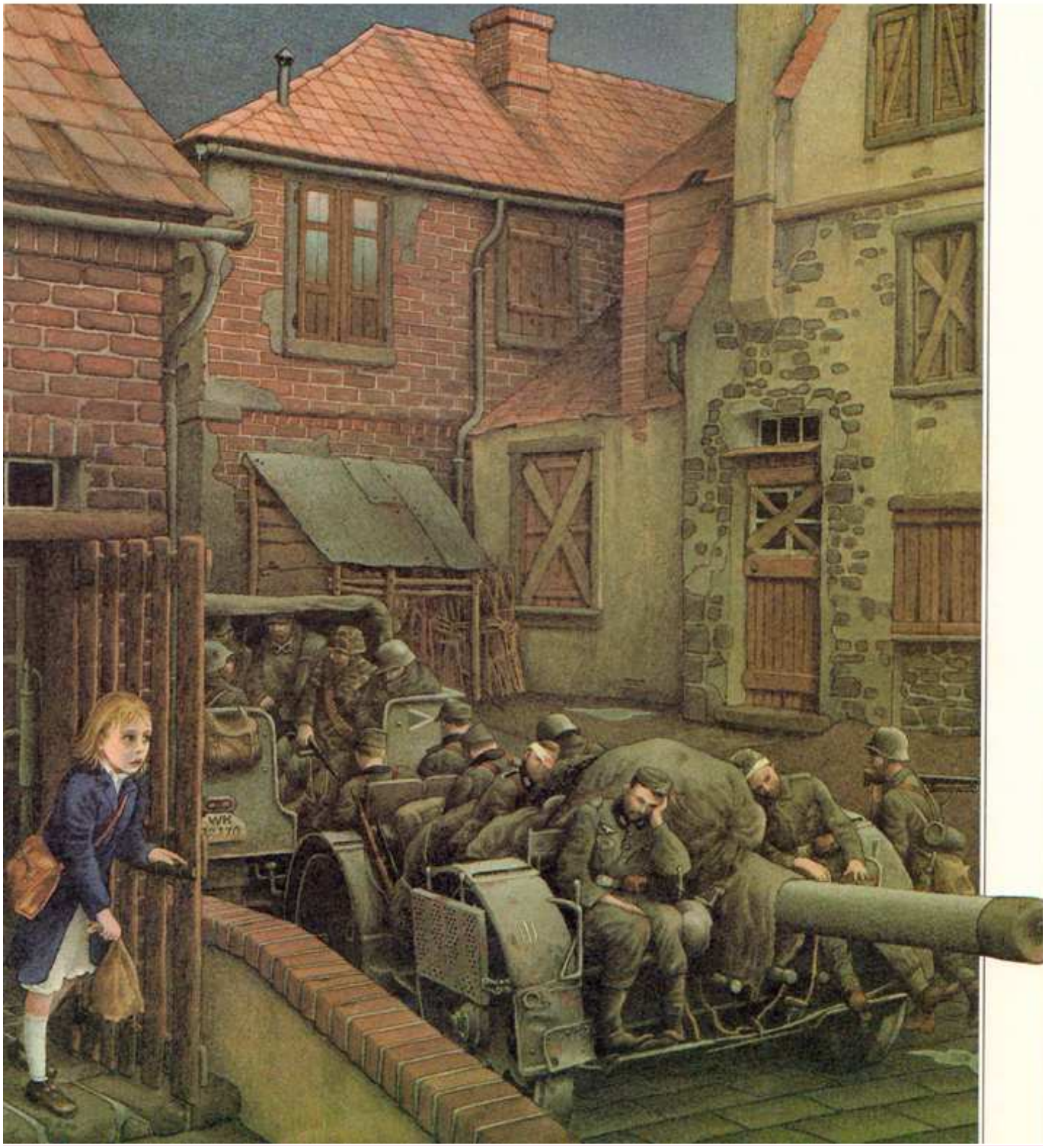

On morning all the people of the town fled, carrying pots and burlap bags and chairs. There were soldiers among them. Some had torn uniforms.

एक सुबह अचानक शहरवासियों ने शहर से पलायन करना शुरू किया. वो अपने साथ बोरियों में भर कर अपने बर्तन-भांडे कुर्सियां आदि लेकर गए. उनके साथ कुछ सैनिक भी थे. उनमें से कुछ सैनिकों की यूनिफार्म फटी हुई थी.

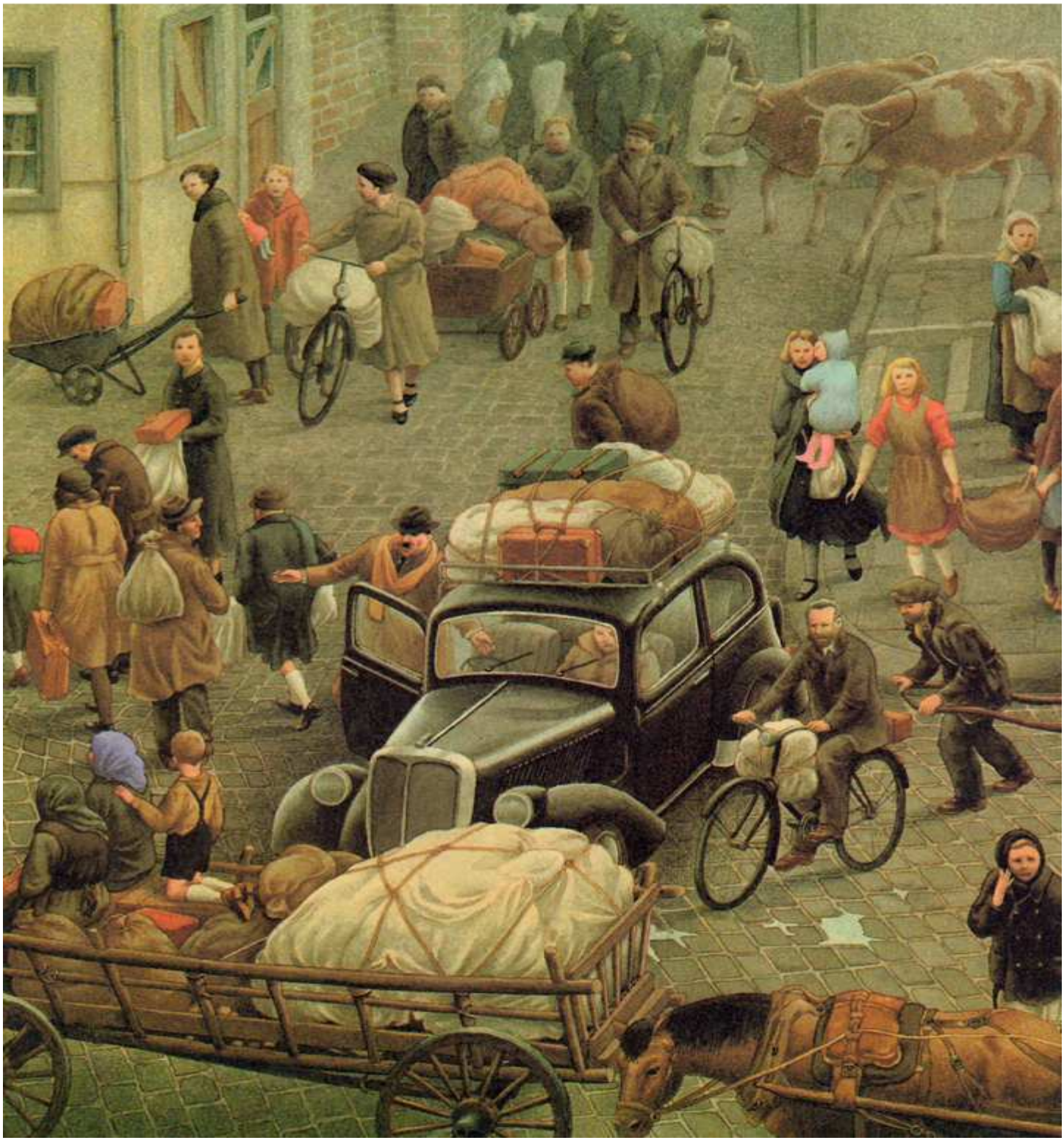

Some were limping. Some were in pain asking for water. Rose Blanche disappeared that day. She had walked into the forest again.

कुछ सैनिक लंगड़ा कर चल रहे थे. कुछ दर्द और तकलीफ में थे और पानी मांग रहे थे.
उस दिन रोज ब्लांचे भी शहर से गायब हो गयी. वो पैदल चल कर जंगल में दुबारा गयी.

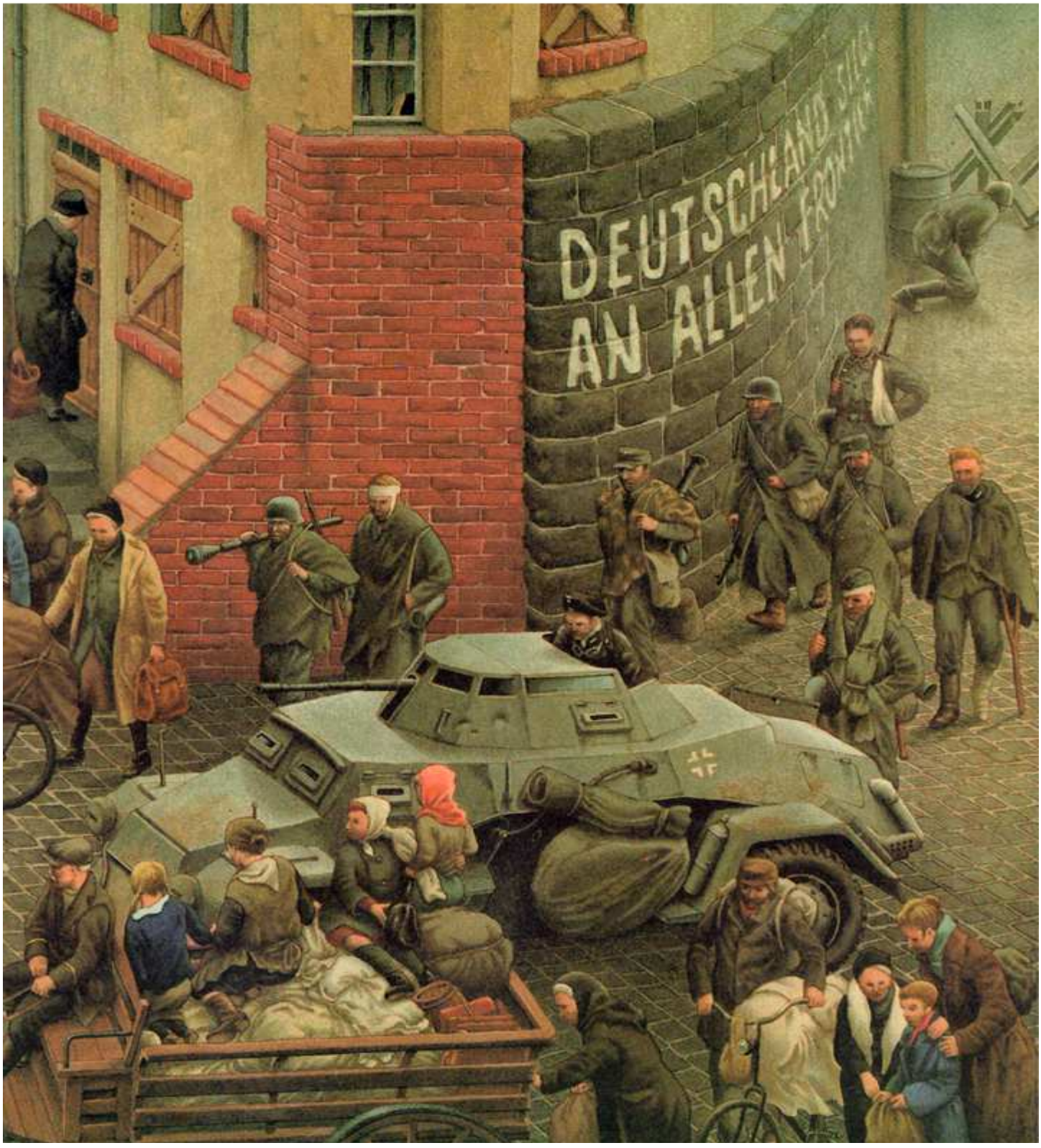

Fog had erased the road. Rose Blanche was hopping around the mud puddles to keep her shoes clean. In the middle of the wood, the clearing had changed. It was empty. Rose Blanche dropped her school bag full of food. She stood still.

घने कोहरे के कारण सड़क साफ़ दिखाई नहीं दे रही थी. रोज ब्लांचे पानी से भरे गड्ढों और कीचड़ से अपने जूतों को बचाते हुए आगे बढ़ रही थी. जंगल का खुला स्थान अब बिलकुल बदल चुका था. कैंप वीरान था. रोज ब्लांचे ने अपने स्कूल के बस्ते को ज़मीन पर रखा. फिर वो चुपचाप खड़ी रही.

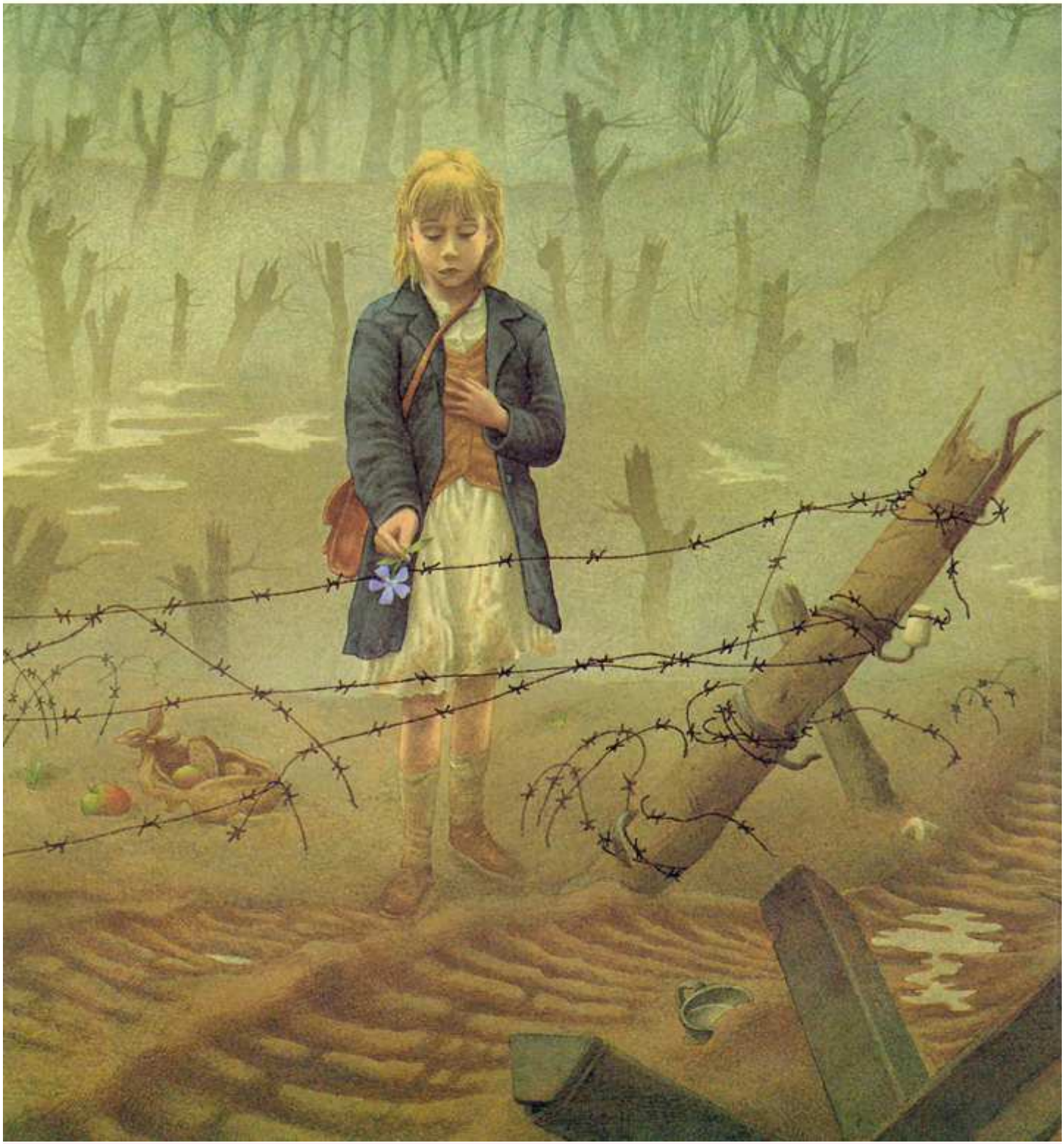

Shadows were moving between the trees. It was hard to see them. Soldiers saw the enemy everywhere. There was a shot.

पेड़ों के बीच में कुछ परछाईयां इधर-उधर चलफिर रही थीं. उन्हें देख पाना मुश्किल था. सैनिकों को हर तरफ दुश्मन दिखाई दे रहे थे. फिर कहीं से एक गोली चली.

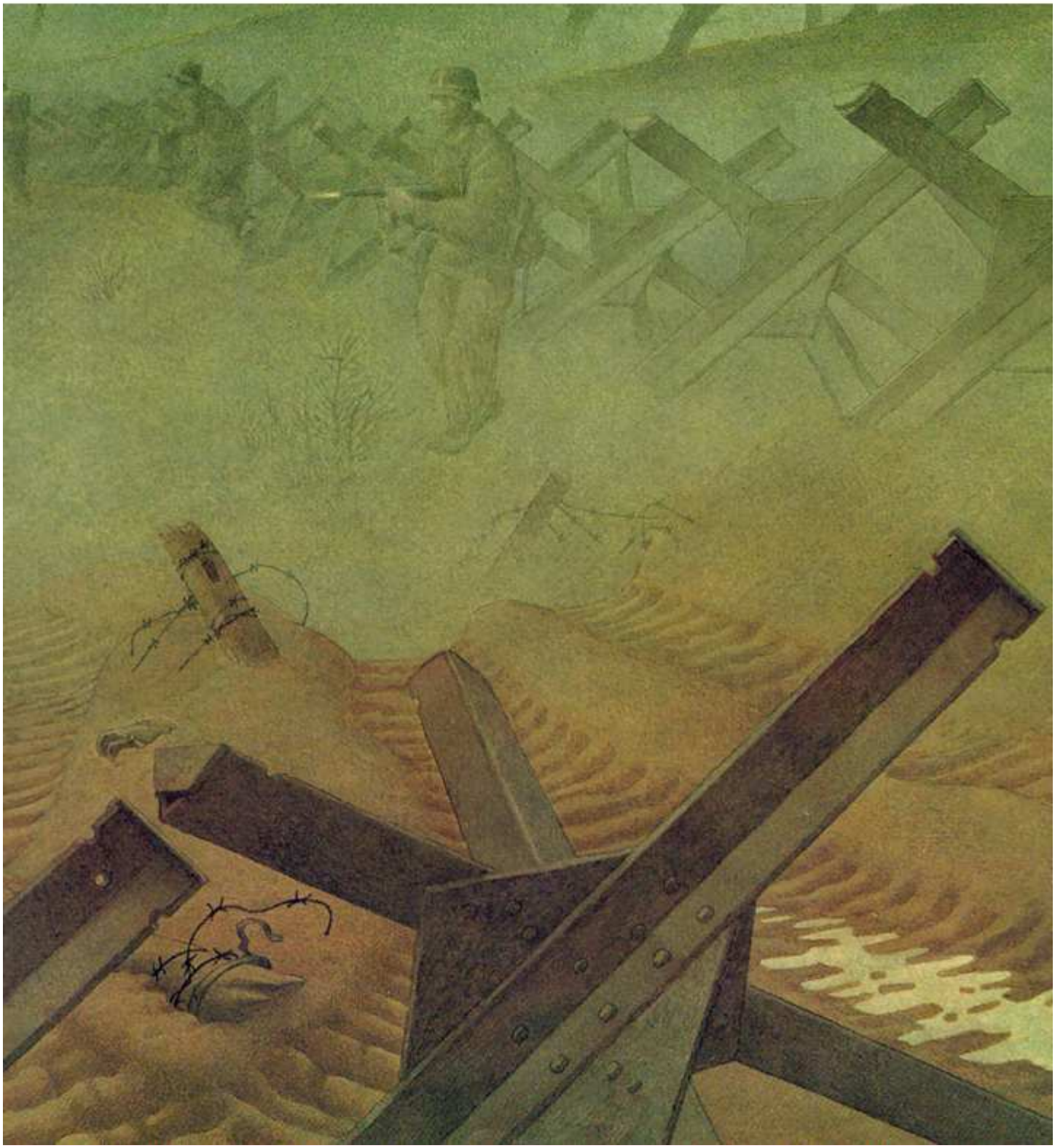

At that moment in town, some other soldiers arrived. Their trucks and their tanks were also noisy, and the smelled like diesel oil. But their uniforms were a different color. And they spoke a different language.

उसी समय शहर में कुछ अन्य सैनिक ट्रक्स में आये. उनके ट्रक्स और टैंक्स ने भी खूब शोर मचाया, और डीजल की बदबू छोड़ी. पर इन सैनिकों की यूनिफार्म बिलकुल अलग थी और वो कोई दूसरी भाषा बोल रहे थे.

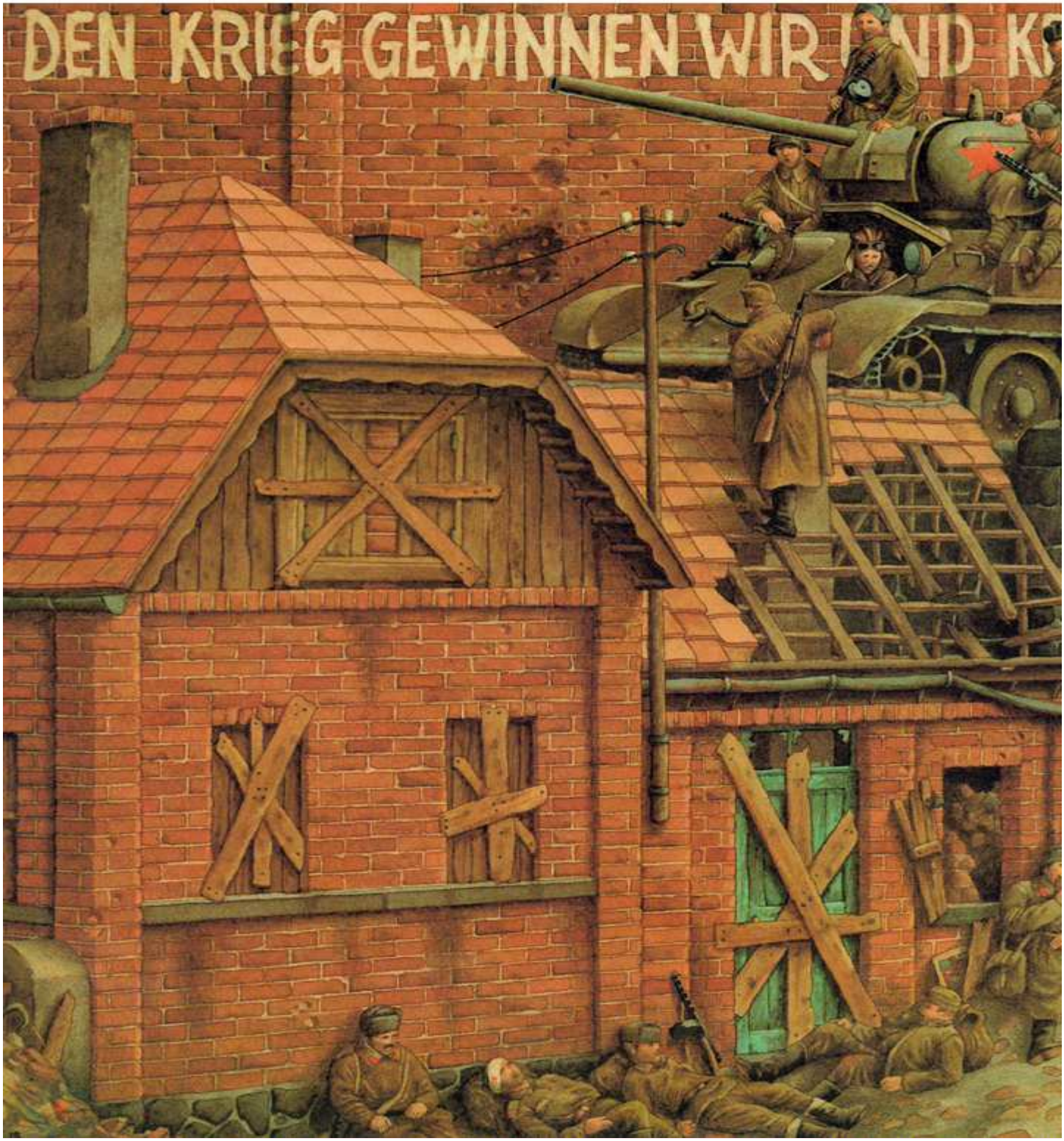

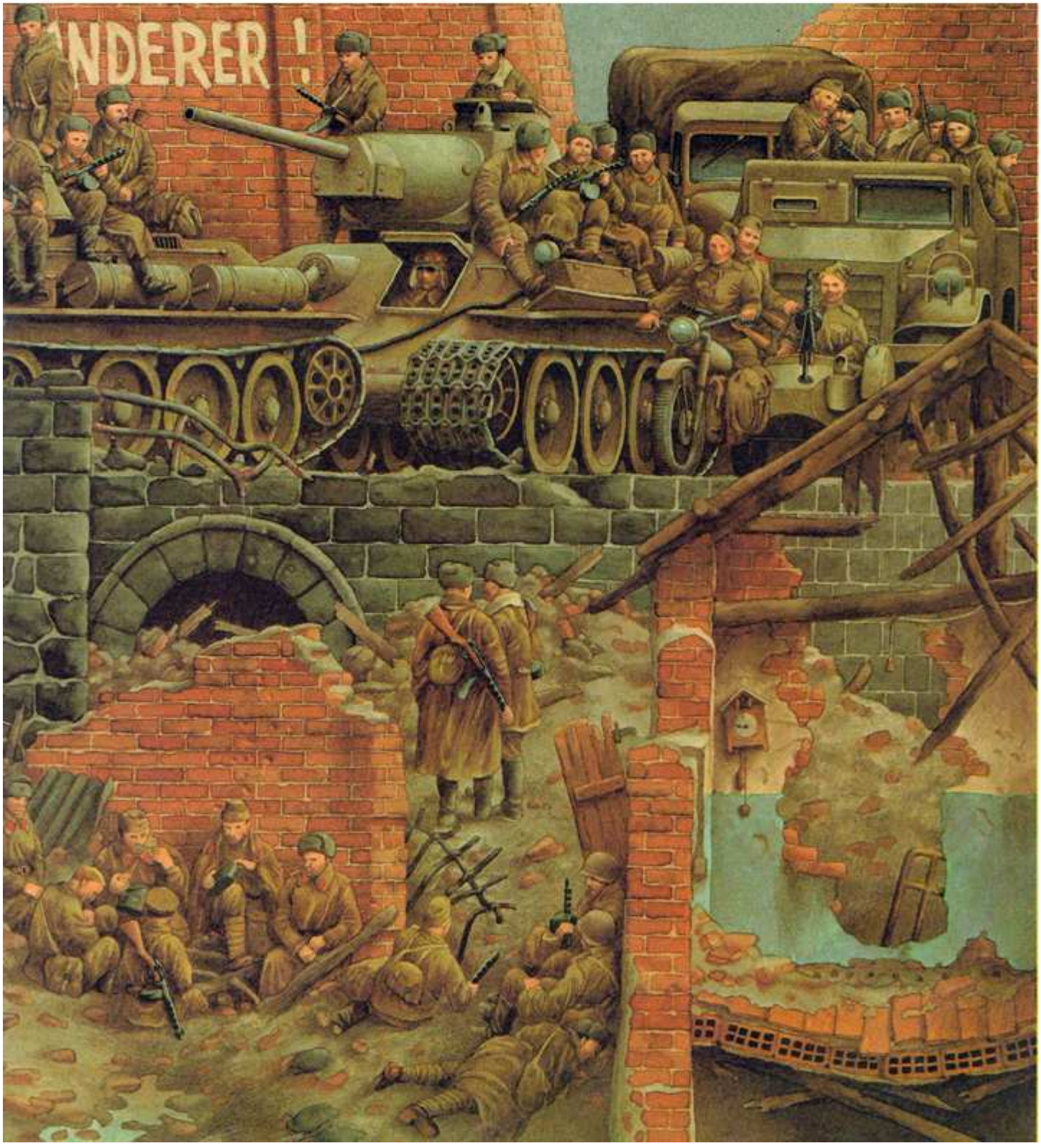
NDERER !

Rose Blanche’s mother waited a long time for her little girl. The crocuses finally sprang up from the ground. The river swelled and overflowed its banks. Trees were green and full of birds.

रोज ब्लांचे की माँ बहुत समय तक बेटी के वापिस आने का इंतजार करती रही. अंत में ज़मीन में सोये हुए बीजों में से जंगली फूल खिले. नदी में बाढ़ आई और उसके दोनों किनारों पर पानी भरा. हरे-भरे पेड़ों पर चिड़िए चहचाहने लगीं.

Spring sang.

फिर वसंत की बहार आई.

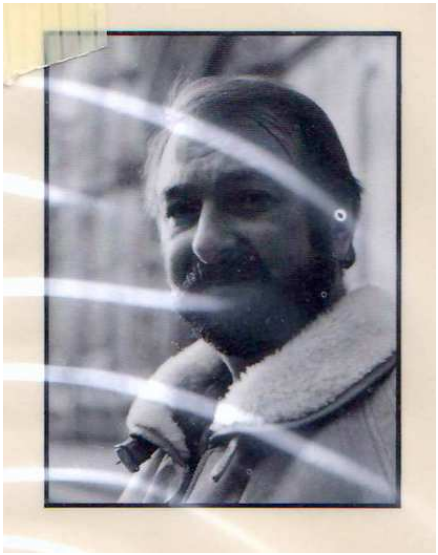

A self-taught artist, Roberto Innocenti was born in Italy in 1940 and experienced World War II first hand as a small child. Among his many celebrated books are *A Christmas Carol, Pinocchio,* and *Cinderella*.

"In this book I wanted to illustrate how a child experiences war without really understanding it. After drawing the first page I chose Rose Blanche as its title because of the significance of the name. Rose Blanche was a group of young German citizens protesting the war. They had understood what others wanted to ignore. They were all killed.

"In this book fascism is a day-to-day reality. Only the victims and the little girl have known its real face."

रोबेर्तो इन्नोसेंटी ने कला खुद सीखी, कहीं से उनकी ट्रेनिंग नहीं ली. उनका जन्म इटली में 1940 में हुआ. उन्होंने दूसरे महायुद्ध को एक छोटे बच्चे जैसे अनुभव किया. उनकी अन्य प्रचलित पुस्तकें हैं – *ए क्रिसमस कैरोल, पिनोचियो* और *सिंडिरेला.*

"मैं इस पुस्तक में यह दिखलाना चाहता था कि किस प्रकार एक बच्चा युद्ध को बिना समझे, उसे अनुभव करता है. पहले पन्ने का चित्र बनाने के बाद मैंने किताब का टाइटल "रोज ब्लांचे" चुना – उस नाम के महत्व के कारण. "रोज ब्लांचे" युवा जर्मन लोगों के एक समूह का नाम था जिन्होंने युद्ध का पुरजोर विरोध किया. अन्य लोगों ने जिस बात को नज़रंदाज़ किया, इस गुट ने उस बात को अच्छी तरह समझा था. इस गुट के सभी लोग अंत में मारे गए.

"इस पुस्तक में फासीवाद एक रोज़मर्रा की असलियत है. फासीवाद के पीड़ितों और उस छोटी लड़की को ही उसका असली चेहरा पता है." - रोबेर्तो इन्नोसेंटी

"*Rose Blanche* is the most striking book on any subject, for any audience, that I've seen this year."

Jane Resh Thomas
Minneapolis Tribune

"An unforgettable book. Not illusionary, not sentimentalized, this realism is literal, pulsing with drama . . . and it's magnificent."

Horn Book

"This is a stunning book and a forceful argument for peace. All ages."

Publishers Weekly

"An excellent book to use not only to teach about the Holocaust, but also about living a life of ethics, compassion, and honesty."

School Library Journal